2022
जुलाई- दिसम्बर

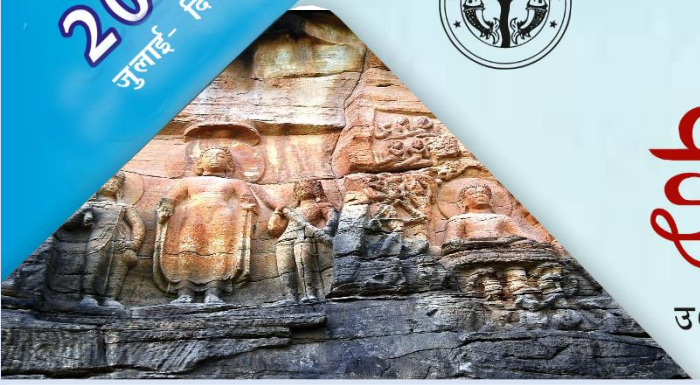

ई-न्यूज़ लेटर

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय (संस्कृति विभाग)
छतर मंजिल परिसर,कैसरबाग, लखनऊ

धरोहरों के प्रचार प्रसार एवं संरक्षण पर सचित्र व्याख्यान

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर पुरातत्व अभिरुचि कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के विभिन्न जनपदों यथा– लखनऊ, बरेली, कानपुर, मैनपुरी, आगरा, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, गोरखपुर, संतकबीरनगर, वाराणसी, ललितपुर, झांसी, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़ आदि जनपदों में पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक महत्व से छात्र–छात्राओं को परिचित कराने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं अधीनस्थ क्षेत्रीय इकाईयों द्वारा सचित्र व्याख्यान कराया गया।

पुरातत्व परामर्शदात्री समिति की बैठक में 59 स्मारकों को संरक्षित करने का प्रस्ताव

26 जुलाई 2022 को मा0 मंत्री, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की अध्यक्षता में आहूत उ0प्र0 राज्य पुरातत्व परामर्शदात्री समिति की बैठक में निदेशक, उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न मंडलों के राष्ट्रीय महत्व के 59 स्मारकों को संरक्षित करने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया। इन स्मारकों की अधिसूचना जारी कर इनका संरक्षण एवं अनुरक्षण की कार्यवाही विभाग द्वारा की जायेगी। उक्त बैठक में प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति, विशेष सचिव, संस्कृति, नियोजन, वित्त विभाग सहित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की लखनऊ, आगरा, झाँसी, मेरठ व सारनाथ मंडल के पुरातत्वविद तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर उपस्थित रहे।

चन्द्रवाड़ महोत्सव में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

विभाग की आगरा इकाई द्वारा चन्द्रवाड़ महोत्सव, फिरोजाबाद में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, चन्द्रवाड़ के संयुक्त तत्वावधान में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा महोत्सव का आयोजन

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अगस्त क्रान्ति पर्व, काकोरी ट्रेन एक्शन, पिंगलि वेंकैय्या जयन्ती, 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम एवं विविध प्रतियोगिताएं व प्रदर्शनी आदि कार्यक्रम का आयोजन निदेशालय एवं सभी क्षेत्रीय पुरातत्व इकाईयों द्वारा कराया गया। इन आयोजनों मे लगभग 4000 विद्यार्थियों/ जनमानस द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पुरातत्व विभाग द्वारा प्रारम्भ किया गया पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम

लखनऊ मुख्यालय में पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम 19 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2022 तक आयोजित कराया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से विभिन्न आयुवर्ग एवं व्यवसायों से सम्बन्धित नागरिकों, छात्र–छात्राओं एवं वरिष्ठ नागरिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस पाठ्यक्रम में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं इण्टैक के विद्वानों द्वारा पुरातत्व की विभिन्न विधाओं पर सचित्र व्याख्यान दिये गये।

गांधी जयन्ती के अवसर पर हुये विविध कार्यक्रम

02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर निदेशालय एवं अधीनस्थ क्षेत्रीय इकाईयों द्वारा झण्डारोहण के अतिरिक्त व्याख्यान, प्रदर्शनी, पोस्टर/चित्रकला, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया। जिसमें लगभग 1000 से अधिक विद्यार्थियों व जनसामान्य ने प्रतिभाग किया।

मीरजापुर और सोनभद्र में छिपा है सुरम्य पर्यटन स्थलों का खजाना

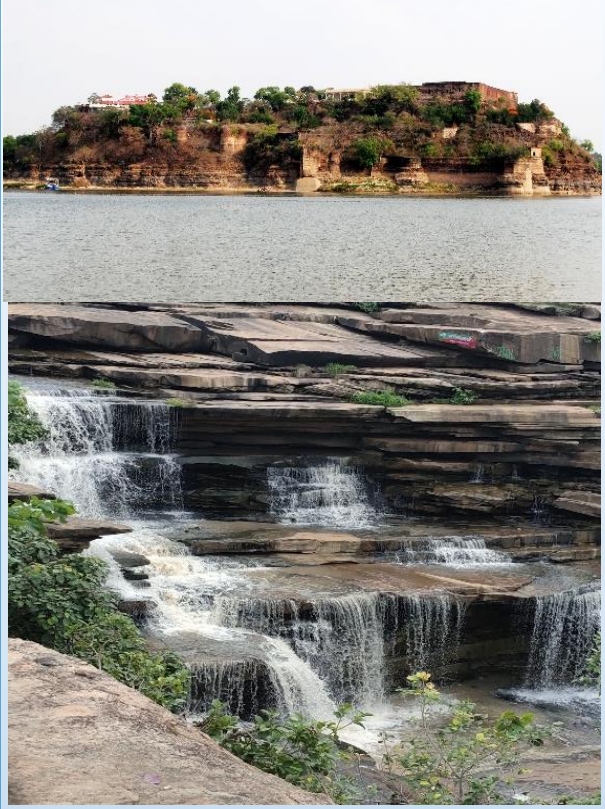

प्रदेश के इन जनपदों में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। जनपद मीरजापुर में चुनार दुर्ग, लखनिया दरी, सिद्धनाथ दरी, सारनाथ का लरवक मंदिर, शिवद्वार के शैलाश्रय आदि अनेक पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्मारक/ स्थल भरे पड़े हैं।

वाराणसी से मात्र 23 किमी दूर स्थित चुनार दुर्ग चरण के आकार की पहाड़ी पर बना है, जिसका निर्माण उज्जैन के महाराज विक्रमादित्य ने कराया था। दुर्ग में सोनवा मंडप, वारेन हेस्टिंग्स बंगला, जहांगीरी कक्ष, विशाल बावली, तोपखाना आदि है। लखनिया एवं सिद्धनाथ दरी में जल प्रपात के साथ ही दरी के किनारे पहाड़ियों पर प्रागैतिहासिक शैलचित्र दर्शनीय हैं।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय को याद किया गया

दिनांक 25 सितम्बर को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित विचार गोष्ठी, व्याख्यान, प्रदर्शनी एवं पुष्पांजलि का आयोजन पुरातत्त्व निदेशालय, लखनऊ एवं अधीनस्थ इकाइयों– वाराणसी, आगरा, झाँसी, प्रयागराज एवं गोरखपुर द्वारा कराया गया।

स्मारक मित्र करेंगे कर्दमेश्वर महादेव मंदिर का सौन्दर्यीकरण

उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रथम चरण में एडॉप्ट हेरिटेज पालिसी के अन्तर्गत स्मारकों का चयन कर स्मारक मित्रों को बनाये जाने हेतु निर्णय लिया गया था। जिसके अन्तर्गत रसखान की समाधि, गोकुल, मथुरा एवं कुसुमवन सरोवर, गोवर्धन, मथुरा पहले ही जी0एल0ए0 विश्वविद्यालय द्वारा एम.ओ.यू. कर अंगीकृत किया जा चुका है और इसी श्रृंखला में दैनिक जागरण के राज्य सम्पादक द्वारा कर्दमेश्वर महादेव मंदिर, वाराणसी को एम0ओ0यू0 कर अंगीकृत किया गया है।

संरक्षित स्मारकों पर आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विभाग द्वारा राज्य संरक्षित स्मारकों पर आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिता करायी गई। पूरे प्रदेश से लगभग 800 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। प्रतियोगिता में विजेताओं को नकद एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया गया।

मेरा गांव–मेरी धरोहर की तर्ज पर होगा पुरातात्विक सर्वेक्षण

प्रदेश के अब तक 40 जनपदों में ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण कराये जा चुके हैं। इस वर्ष 06 जनपदों में सर्वेक्षण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। मेरा ''गांव–मेरी धरोहर'' संस्था के साथ उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा एम0ओ0यू0 किया जा रहा है, जिससे सर्वेक्षण का कार्य द्रुतगति से सम्पादित किया जा सके।

विश्व धरोहर सप्ताह पर द्वि–दिवसीय कार्यशाला व विविध कार्यक्रमों का आयोजन

विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर पुरातत्व निदेशालय एवं अधीनस्थ क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा दिनाँक 19 से 25 नवम्बर तक छायाचित्र प्रदर्शनी, व्याख्यान, निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तरी, क्ले–मॉडलिंग, चित्रकला, पोस्टर आदि प्रतियोगिताओं सहित लगभग 50 कार्यक्रमों का आयोजन और 50 से अधिक स्कूलों/कॉलेजों के लगभग 7000 से अधिक विद्यार्थियों को स्मारक भ्रमण कराकर स्मारकों के ऐतिहासिक महत्व से परिचित कराया। उक्त के अतिरिक्त 'प्राचीन स्मारकों का सरंक्षण एवं पुरावशेषों का अध्ययन' (स्पर्श एवं अनुभूति) विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन निदेशालय द्वारा दिनाँक 24 व 25 नवम्बर कराया गया।

एडॉप्ट हेरिटेज योजना के द्वितीय चरण में 10 स्मारक के लिये अभिव्यक्ति की अभिरुचि (ई.ओ.आई.) का आमंत्रण

एडॉप्ट–ए–हेरिटेज योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा द्वितीय चरण में 10 स्मारकों के लिये अभिव्यक्ति की अभिरुचि (ई.ओ.आई.) के लिये आमंत्रित किया गया। इन स्मारकों में आलमबाग भवन (लखनऊ), आस्तिक बाबा–कल्पादेवी इष्टिका मंदिर (सीतापुर), बालाबेहट किला व रॉक कट गुफाएं–देवगढ़ (ललितपुर), दिगारा गढ़ी, टहरौली किला व लक्ष्मी मंदिर (झांसी), पोतराकुण्ड (मथुरा), टिकैतराय शिव मंदिर, बिठूर (कानपुर) एवं राज मंदिर, गुप्तार घाट (अयोध्या) हैं। स्मारक मित्रों को स्मारक गोद लेने के लिये निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करना होगा। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी विभाग की वेबसाइट – www.upculture.up.nic.in पर उपलब्ध है।

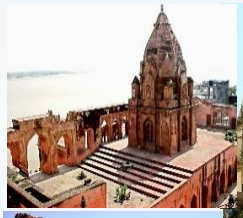

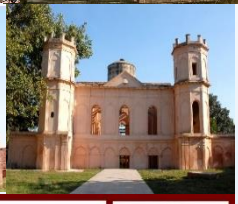

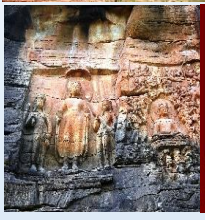

ऐतिहासिक स्मारक होंगे जगमग

स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत प्रदेश के ऐतिहासिक महत्व के स्मारकों को फसाड लाइट लगाकर आकर्षक बनाये जाने की योजना है। जिसके अन्तर्गत प्रथम चरण में पुरातत्व विभाग के 10 स्मारकों पर फसाड लाइट लगाये जाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें गोवर्धन की छतरियां, मथुरा, छतर मंजिल पैलेस एवं फरहत बख्श कोठी, लालबारादरी भवन, आलमबाग भवन एवं गेट लखनऊ, चुनार किला मिर्जापुर एवं टहरौली किला, लक्ष्मी मंदिर, झांसी प्रमुख हैं।

समाचार पत्रों में पुरातत्व विभाग.....

रामायण–महाभारत को कल्पित क्यों बोलते हैं?

छात्र-छात्राओं को धरोहर संरक्षण के प्रति किया गया जागरूक

प्रश्नोत्तरी व चित्रकला प्रतियोगिता

ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा करेंगे 'स्मारक मित्र'

अपना महराजगंज

प्रस्ताव : राज्य पुरातत्व विभाग करेगा रामग्राम का खनन

प्रदर्शनी में दिखी काशी की प्राचीन इमारतों और मंदिरों की कहानी

बीरबल के महल को संरक्षित करेगा राज्य पुरातत्व विभाग

धरोहरों को तस्वीरों में कैद करने वाले सम्मानित

दैनिक जागरण वाराणसी, 26 नवंबर, 2022

समाचार सार

पुरातत्व विभाग की सूची में शामिल हुईं तीन धरोहर

गोरखपुर/आसपास जागरण

आधारिक पुरातात्विक धरोहर बने रामामऊ मंदिर व तालडीह

बुद्ध का ननिहाल दो करोड़ से संवरेगा

सौगात

संपादन समिति :

रेनू द्विवेदी, डॉ0 राजीव कुमार त्रिवेदी, बलिहारी सेठ,
उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ।

प्रकाशक :

निदेशक, उ0प्र0 राज्य पुरातत्त्व निदेशालय,
छतर मंजिल परिसर, कैसरबाग, लखनऊ
दूरभाष : 0522–2623045
वेबसाइट– www. upculture.up.nic.in

महत्वपूर्ण लिंक :

https://www.facebook.com/upstatearchaeology
@u_archaeology upstatearchaeology

Follow us on